No. of Printed Pages : 6

BPYE–141

B. A. (GENERAL) PHILOSOPHY

(BAG)

Term-End Examination

December, 2024

BPYE–141 : METAPHYSICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt all* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answers to question* ***1*** *and* ***2*** *are to be written in about* ***400*** *words each.*

1. Elucidate how the problem of Appearance and Reality was discussed by different western and Indian schools of thought. 20

Or

Elucidate the problem of Being as discussed by Ancient, Medieval and Contemporary Western Thinkers. 20

2. Compare the Advaita Vedanta Theory of Reality with the Jaina Theory of Reality. 20

Or

What is the difference between Parināmavāda and Vivartavāda ? How does Sāṁkhya prove Prakṛti Pariṇāmavāda ? 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Discuss the Nyāya theory of Asatkāryavāda. 10

   (b) What is the problem of Universal and Particular ? Discuss this problem with reference to Kumārila's philosophy. 10

   (c) Write a note on the role of the idea of Quantity for understanding the idea of Individuation. 10

   (d) Explain Martin Buber's idea of person. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Write a note on Satkāryavāda. 5

   (b) Discuss the ontological dimension of human-person. 5

(c) Write a note on the problem of free will. 5

(d) Write a note on the distinction between the methods of Induction and Deduction. 5

(e) What is Ontology ? How is it different from Metaphysics ? 5

(f) What is the nature of substance according to Aristotle ? 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Indian Metaphysical Methods 4

(b) Transcendence 4

(c) Realism 4

(d) Idealism 4

(e) Dualism 4

(f) Relative Individuation 4

(g) Samvāya 4

(h) Inter-subjective communion 4

BPYE–141

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.पी.वाई.ई.–141 : तत्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक* ***1*** *व* ***2*** *के उत्तर लगभग* ***400–400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. समझाइये कि विभिन्न पाश्चात्य और भारतीय दर्शनों में आभास और सत् की चर्चा कैसे की गई है। 20

अथवा

प्राचीन, मध्यकालीन और समकालीन विचारकों के द्वारा की गई सत् की समस्या को समझाइये। 20

2. सत् सम्बन्धी अद्वैत वेदान्त की तुलना सत् सम्बन्धी जैन सिद्धान्त से कीजिए। 20

अथवा

परिणामवाद और विवर्तवाद के मध्य क्या अंतर है ? सांख्य दर्शन प्रकृति परिणामवाद को कैसे सिद्ध करता है ? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) असत्कार्यवाद के न्याय सिद्धान्त की चर्चा कीजिए। 10

(ख) सामान्य और विशेष की समस्या क्या है ? कुमारिल के दर्शन के संदर्भ में इस समस्या पर चर्चा कीजिए। 10

(ग) वैयक्तिकीकरण के विचार के बोध के लिए मात्रा के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

(घ) मार्टिन बूबर के व्यक्ति सम्बन्धी विचार की व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) सत्कार्यवाद पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ख) मानव-व्यक्ति के सत्तामीमांसीय आयाम की चर्चा कीजिए। 5

(ग) संकल्प-स्वातंत्र्य की समस्या पर टिप्पणी लिखिए। 5

(घ) आगमन और निगमन पद्धतियों के मध्य अन्तर पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ङ) सत्तामीमांसा क्या है ? यह तत्वमीमांसा से कैसे भिन्न है ? 5

(च) अरस्तू के अनुसार पदार्थ की प्रकृति क्या है ? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीय तत्वमीमांसीय पद्धतियाँ 4

(ख) परानुभव 4

(ग) यथार्थवाद 4

(घ) प्रत्ययवाद 4

(ङ) द्वैतवाद 4

(च) सापेक्ष वैयक्तिकीकरण 4

(छ) समवाय 4

(ज) अन्त:विषयीनिष्ठ समन्वय 4

× × × × × × ×